# संतरे के बगीचे के नाम पर उद्यानिकी विभाग ने कर लिया अपना जीर्णोद्धार

## किसानों के नाम पर हुए फर्जीवाड़े पर सब मौन, भ्रष्टाचार की गंगोत्री में सबने लगाई डुबकी

**शाजापुर, 11 जनवरी. सरकार ने अच्छी फसल और किसानों के हित के लिए शाजापुर जिले में 10 साल पुराने संतरे के बगीचे के जीर्णोद्धार के लिए योजना बनाई. इस योजना में करोड़ों रुपए दिए. लेकिन शाजापुर के उद्यानिकी विभाग ने इस योजना में ऐसा भ्रष्टाचार किया कि कागजों में पूरे जिले में 1100 हेक्टेयर यानि लगभग 5 हजार बीघा में संतरे के बगीचे का जीर्णोद्धार कर दिया. जबकि शाजापुर जिले में संतरे के बगीचे मोहन बड़ोदिया क्षेत्र के अलावा बाकी जगह पर न के बराबर है. इस भ्रष्टाचार को लेकर सब मौन है. यहां तक कि इस घोटाले में जांच तक की बात नहीं हो रही है.**

गौरतलब है कि शाजापुर उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों ने किसानों के नाम पर फर्जीवाड़ा कर संतरे के बगीचे के जीर्णोद्धार में करोड़ों का घोटाला कर दिया. शाजापुर जिले के प्रभारी मंत्री जिस विभाग से हैं, उनके ही विभाग में उद्यानिकी आता है. लेकिन इस मामले में कार्यवाही न होना इस बात का संकेत है कि उद्यानिकी विभाग के भ्रष्टाचार की गंगोत्री में सबने स्नान किया है. क्योंकि मामला ऑन पेपर होने के बाद भी आज तक इसकी जांच नहीं की गई है. अब देखना यह है कि उद्यानिकी विभाग में हुए संतरा बगीचा जीर्णोद्धार योजना का घोटाला उजागर होता है या हमेशा के लिए फाइलों में ही दफन रहेगा.

### हितग्राही किसानों की जानकारी नहीं देता है उद्यानिकी विभाग

संतरा बगीचे के जीर्णोद्धार में किस-किस किसान के कितने रकबे को राशि दी गई है, इसकी जानकारी सूचना अधिकार में उद्यानिकी विभाग नहीं दे रहा है . जबकि सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत कई आवेदन लंबित हैं, लेकिन उद्यानिकी विभाग के अधिकारी अपने घोटाले की तर्ज पर सूचना के अधिकार की भी धज्जियां उड़ा रहे हैं . यदि प्रशासन केवल किसानों की सूची से मिलान कर ले, तो पता चल जाएगा कि जिले में 5 हजार बीघा में संतरे के कितने बगीचे हैं .

### छोटे-छोटे मामलों में होती है कार्रवाई, उद्यानिकी विभाग पर क्यों नहीं..?

प्रशासनिक स्तर पर प्रति सोमवार को विभागों की समीक्षा बैठक (टीएल) होती है . इसमें छोटे-छोटे मामलों में कार्यवाही की जाती है, लेकिन संतरा बगीचे के जीर्णोद्धार में हुए फर्जीवाड़े को लेकर उद्यानिकी विभाग पर न तो कोई कार्यवाही हुई, न ही जांच शुरू की गई . भ्रष्टाचार का यह मामला लगभग 3 करोड़ का है, जिसमें किसानों के फर्जी नाम बनाकर संतरे के बगीचों का जीर्णोद्धार कर दिया . जो कर्मचारी इस भ्रष्टाचार में शामिल नहीं थे, तो या तो उन्हें उद्यानिकी विभाग से हटा दिया या उनका तबादला करवा दिया . एक कर्मचारी जो इस भ्रष्टाचार में सहयोगी था, उसको बमुश्किल से नवभारत की खबर के बाद रिलीव किया गया है . जबकि इस पूरे मामले में यदि बारीकी से जांच की जाए, तो उद्यानिकी विभाग में फर्जीवाड़े का रिकॉर्ड घोटाला उजागर हो .

## एक नजर में

### क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन, विजेता टीम को किया पुरस्कृत

**मोहन बड़ोदिया, 11 जनवरी.** संस्कार पब्लिक एकेडमी में आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला उत्साह और खेल भावना के साथ संपन्न हुआ. फाइनल मैच के विजेता दल को सम्मानित करने हेतु मुख्य अतिथि के रूप में सरपंच संघ जिला अध्यक्ष राकेश जायसवाल उपस्थित रहे. संचालन खेल शिक्षक रविशंकर वर्मा ने किया. कमेंट्री लोकेंद्र सिंह राजपूत ने की. अम्पायरिंग शिवम वर्मा एवं तरुण शर्मा ने की. मैच स्कोरिंग हरिओम द्वारा की गई. वहीं वीडियोग्राफी का कार्य पिंटू द्वारा किया गया. आभार नरेंद्र गोस्वामी ने माना.

### छात्राओं ने विधायक से की हायर सेकंडरी स्कूल की मांग

**शाजापुर, 11 जनवरी.** हमें हमारे घर वाले बाहर पढ़ने नहीं भेजते. कई लड़कियों की इस कारण पढ़ाई भी छूट गई है. गांव में केवल 10वीं तक ही स्कूल है. आगे की पढ़ाई हम कैसे करें. अच्छा हो कि गांव में ही हायर सेकंडरी स्कूल खुल जाए. यह कहना था ग्राम बिकलाखेड़ी की छात्राओं का, जिन्होंने विधायक अरुण भीमावद को अपनी पीड़ा बताते हुए गांव में आगे की पढ़ाई के लिए हायर सेकंडरी स्कूल खोलने की मांग की. छात्राओं ने विधायक को बताया कि उच्च शिक्षा के लिए शाजापुर जाना पड़ता है, लेकिन कई छात्राओं के माता-पिता उन्हें पढ़ने के लिए शहर नहीं भेजते. छात्राओं ने यह भी शिकायत की कि कई लड़कियां मजदूरी के कारण भी स्कूल नहीं जा पातीं. छात्राओं की शिकायत सुनने के बाद विधायक भीमावद ने कार्यक्रम में मौजूद गांव वालों से कहा कि ऐसी संकुचित सोच से बाहर आना होगा. उन्होंने जोर दिया कि किसी को भी पढ़ने भेजने से नहीं रोकना चाहिए. उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि छात्राएं पढ़ेंगी, तो दो कुलों को रोशन करेंगी और आगे चलकर एसडीएम या कलेक्टर भी बन सकती हैं. उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि यदि आवश्यकता पड़ी, तो वे स्वयं छात्राओं के माता-पिता के पास जाकर उनकी काउंसलिंग करेंगे और अपनी बेटियों को आगे पढ़ने भेजने के लिए प्रेरित करेंगे, ताकि बेटियां पढ़-लिखकर आगे बढ़ सकें.

**किसान रथ को किया रवाना**

विधायक अरुण भीमावद रविवार को जिले के बिकलाखेड़ी गांव में कृषक कल्याण वर्ष कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए थे. जहां उन्होंने किसानों को केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओ के बारे में जानकारी देते हुए किसानों के हित के लिए किए जा रहे कार्यों व योजनाओं की जानकारी दी. इस अवसर पर विधायक ने किसान रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया.

# पेंशनरों को अपने-अपने कबीले में जोड़ने की होड़...

**बात शाजापुर की**
**मनोज पुरोहित**

यूं तो गुटबाजी और कबीला संस्कृति राजनीति की धरोहर है, लेकिन अब कर्मचारी संघ में भी कबीला संस्कृति लंबे समय से जन्म ले चुकी है. अब तो पेंशनर संघ याने कि वे लोग जिन्हें सरकार ने उम्र के हिसाब से आराम करने के लिए सरकारी नौकरी से निवृत्त किया है, लेकिन पेंशनर संघ में भी कबीले की परंपरा शुरू हो गई है. जो कर्मचारी सेवानिवृत्त होने वाला रहता है, उस पर पेंशनर संघ का एक गुट पहले आओ पहले पाओ की तर्ज पर अपना ठप्पा लगा देता है. और उसे अपने कबीले में शामिल कर अपनी संख्या बढ़ा लेता है. जब पेंशनरों की समस्या ही एक है, पेंशनरों की मांग सरकार से एक जैसी है, तो फिर अलग-अलग गुट, अलग-अलग कबीले क्यों? पेंशनर संघ में कई हरफनमौला सेवानिवृत्त कर्मचारी हैं, जिन्होंने सरकारी कुर्सी पर बैठकर खुद का विकास किया और आज वे रायचंद और ज्ञानचंद बनकर पेंशनरों के खुदा बन गए हैं. पहले पेंशनर संघ द्वारा टिफीन पार्टी हुआ करती थी. एक-दूसरे का जन्मदिन मनाया जाता था, लेकिन अब भव्य सम्मेलन और तेरी कमीज से मेरी कमीज सफेद की तर्ज पर सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं. सरकार की नजर में पेंशनर फूंके हुए कारतूस से कम नहीं है, लेकिन शाजापुर में ये फूंके हुए कारतूस अपने अंदर जबरदस्ती बारूद भरके धमाके करने की कोशिश करते रहते हैं.

शाजापुर में दो पेंशनर संघ हैं. एक है प्रोग्रेसिव पेंशनर संघ, तो दूसरा है प्रमुख पेंशनर एसोसिएशन. अब जब सरकार ने ही 62 साल के बाद इनकी नौकरी की प्रोग्रेस पर रोक लगा दी और इन्हें प्रमुख लाइन से हटा दिया, तो फिर दोनों एसोसिएशन किसके लिए प्रमुख हैं और किसकी प्रोग्रेस कर रहे हैं. अगर ये एक होते, तो हो सकता है कि सरकार भी इनको सुनती और गंभीरता से लेती, लेकिन कबीलों में बटे पेंशनर संघ की मांगों को सरकार कितना सुनती है और कितनी गंभीरता से लेगी, ये तो वक्त ही बताएगा. सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पेंशनर संघ अपने-अपने कबीले में जोड़ने के लिए लाभ-हानि भी बताते हैं कि हमारे साथ जुड़ोगे तो ये लाभ होगा, उनके साथ जुड़ोगे तो ये हानि होगी. अपने-अपने संगठन की मार्केटिंग भी मल्टीनेशनल कंपनी की तरह कर रहे हैं. अभी तक सम्मेलन में केवल भोजन की परिपाटी है. हो सकता है आने वाले समय में पेंशनर संघ के कबीले सेवानिवृत्त कर्मचारियों को देवदर्शन भी कराने ले जाएं.

**अब जल सुनवाई भी होगी...**

अभी तक हर मंगलवार को जन सुनवाई होती थी, लेकिन अब सरकार ने निर्णय लिया कि जल की सुनवाई भी होगी. अब देखना है कि जिस प्रकार जन सुनवाई का नतीजा आज तक कुछ नहीं निकला, तो जल सुनवाई का परिणाम क्या निकलता है. यदि जल सुनवाई को सफल कराना है, तो सभी अधिकारियों को आर.ओ और बोतल बंद पानी पर प्रतिबंध लगाना चाहिए, और अपनी टेबल पर निकाय द्वारा प्रदाय किये जाने वाले पानी के ग्लास रखना चाहिए. तब पता चलेगा कि जनता कैसा जल पी रही है. क्योंकि आर.ओ और बोतल बंद पानी पीकर जल सुनवाई का नतीजा कुछ नहीं निकलेगा.

**फोरलेन से शहर संवरेगा, तो अधिकारी का होगा विकास**

शाजापुर शहर में फोरलेन का काम शुरू हो गया है, जिससे शहर संवरेगा और कमीशन से अधिकारियों का आर्थिक विकास होगा. वैसे भी पीडब्ल्यूडी के पास कोई बड़ा काम नहीं था, लेकिन नए साल में करोड़ों रुपए के काम आने से पीडब्ल्यूडी में हर्ष की लहर है. फोरलेन के निर्माण से पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों का अच्छा आर्थिक विकास होने की पूरी संभावना है.

**अंत में...**

चुनाव आते ही उनके निवाले बदल जाते हैं, दरवाजे वही हैं सिर्फ ताले बदल जाते हैं और दुश्मनों को बख्शा जाएगा पूरे सम्मान के साथ, मारे तो वो जाएंगे, जिसने पाले बदले हैं...

### चायनीज मांझा बेचने वाला युवक गिरफ्तार

**शाजापुर, 11 जनवरी.** कोतवाली थाना प्रभारी संतोष वाघेला ने बताया कि महूपुरा बीट भ्रमण के दौरान मुखबीर से सूचना मिली थी कि रेलवे स्टेशन रोड पुलिया के पास एक युवक चायनीज मांझा बेच रहा है. सूचना पर घेराबंदी कर युवक को पकड़ा गया. पूछताछ में उसकी पहचान शाजापुर निवासी वैभव उर्फ ओम सौराष्ट्रीय के रूप में हुई. जब युवक की तलाशी ली गई, तो आरोपी के पास से दो झोलों में कुल 8 चायनीज मांझा के गट्टे बरामद हुए. इनकी अनुमानित कीमत 5 हजार 600 रुपए बताई गई है. यह नायलोन की चायनीज डोर मानव जीवन और पशु-पक्षियों के लिए गंभीर खतरा पैदा करती है. जिला दंडाधिकारी के आदेश के तहत चाइनीज मांझा रखना, बेचना या उपयोग करना भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के अंतर्गत दंडनीय अपराध है. पुलिस ने आरोपी के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई करते हुए मांझा जब्त किया है.

### फिर छाया घना कोहरा

**शाजापुर, 11 जनवरी.** जनवरी का महीना मौसम के मान से लोगों को कन्फ्यूज कर रहा है. कभी लोगों को सर्दी से ठिठुरना पड़ रहा है, तो कभी तेज धूप निकल रही है. रविवार को भी मौसम का हाल कुछ ऐसा ही रहा. जब लोगों की आंख खुली, तो सामने घना कोहरा था, लेकिन दोपहर में तेज धूप ने परेशान किया. इसके बाद जब शाम को लोग निकले, तो फिर सर्द हवाओं की वजह से उन्हें सर्दी का एहसास हुआ. रविवार सुबह छाए कोहरे के कारण विजिबिलिटी भी काफी कम रही, जिससे कुछ दूरी पर भी देखना संभव नहीं हो पा रहा था. लेकिन 9.30 बजे मौसम बदला और आसमान साफ होने से तेज धूप निकल आई.

# औद्योगिकरण, व्यापार संभावनाओं और आर्थिक विकास के लिए दिए सुझाव

## जी हब इंदौर आर्थिक क्षेत्र के अंतर्गत नीति आयोग की बैठक संपन्न

**शाजापुर, 11 जनवरी. जिला कलेक्टर सभागृह में नीति आयोग की वर्चुअल बैठक भारत सरकार की प्रिंसिपल इकोनामिक एडवाइजर सुश्री एनस राय की अध्यक्षता में संपन्न हुई. भारत सरकार के नीति आयोग ने अपने प्रजेंटेशन प्रस्तुत किया. वीसी समीक्षा बैठक ना होते हुए एक खुली चर्चा के रूप में हुई, जिसमें शासन-प्रशासन के सभी विभागों से अधिकारी, व्यापारी, उद्योगपति एवं लघु उद्योग भारती के पदाधिकारी उपस्थित रहे.**

बैठक में विभिन्न विभागों के प्रजेंटेशन समस्या एवं संभावित सुझाव समाधानों पर चर्चा हुई. सभी प्रशासनिक अधिकारियों ने अपने अपने विभागों की कार्य एवं प्रस्तावित कार्य की जानकारी प्रस्तुत की. औद्योगिकरण, व्यापार संभावनाओं एवं आर्थिक विकास तथा चुनौतियों पर सुझाव प्रदान किए गए, जिससे शाजापुर जिला विकास के पद पर आगे बढ़ सके. जिला व्यापार उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक नवीन शुक्ला ने प्रजेंटेशन प्रस्तुत किया. उद्योगों की ओर से लघु उद्योग भारती के प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश तिवारी ने विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया एवं रेलवे की लोकल फास्ट ट्रेनों के लिए सुझाव रखे. रामको इंडस्ट्रीज प्रबंधक संजय नेमा ने उद्योगों के संबंध में सुझाव रखे. इस बैठक में मुख्य नगर पालिका अधिकारी भूपेंद्र दीक्षित, मध्य प्रदेश इंडस्ट्री डेवलपमेंट कॉरपोरेशन महाप्रबंधक विनय तोमर, लघु उद्योग भारती के किशोर प्रजापत, सुभाष मंडलोई, पवन गर्ग, कीर्ति प्रकाश भावसार, आलोक बंसल, जिले के समस्त अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित रहे.

# लघु वेतन कर्मचारियों ने अपनी समस्याओं से अवगत कराया

**शाजापुर, 11 जनवरी. रविवार को मप्र लघुवेतन कर्मचारी संघ के प्रांताध्यक्ष महेंद्र शर्मा अल्प प्रवास पर शाजापुर आए. यहां लघु वेतन कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों एवं समस्याओं से उन्हें अवगत कराया.**

लघु वेतन कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष टीकाराम कुशवाह ने बताया कि 15 सूत्रीय मांगों के संबंध में प्रांताध्यक्ष को अवगत कराया गया. इस अवसर पर अमर वर्मा, संघ के सचिव गोविंद सिंह भदौरिया, सीहोर जिलाध्यक्ष भागीरथ परमार, तहसील अध्यक्ष अमृत टेलर, अनुराग सिंह, अमित चौहान, शिवनारायण कुशवाह, शुभम देवतवाल, कैलाश पवैया आदि मौजूद थे.

### बाइक मवेशी से टकराई, तीन युवक घायल

**शाजापुर, 11 जनवरी.** जपं कार्यालय के पास शहरी हाईवे पर शनिवार देर शाम एक तेज रफ्तार बाइक मवेशी से टकरा गई. हादसे में बाइक सवार तीन युवक घायल हो गए, जिनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है. घटना के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए, लेकिन घायलों को अस्पताल ले जाने के लिए लगभग 15 से 20 मिनट तक कोई वाहन उपलब्ध नहीं हो सका. इसके बाद सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने ऑटो रिक्शा की मदद से तीनों घायलों को शाजापुर जिला अस्पताल पहुंचाया. वहां उनका इलाज जारी है. हादसे में घायल युवकों की पहचान आशीष, सुनील जाटव और राजू जाटव के रूप में हुई है. बाइक आशीष चला रहा था, जिसे सिर और शरीर में गंभीर चोट आई हैं, जबकि सुनील और राजू को मामूली चोट लगी है. घायल सुनील ने बताया कि वे तीनों एक ही बाइक पर सवार होकर बस स्टैंड से अपने घर जा रहे थे. जनपद पंचायत के पास सड़क पर अंधेरा था. तभी अचानक एक मवेशी सामने आ गया, जिससे हादसा हो गया.

# फर्जी हस्ताक्षरों से लाखों की निकासी

## स्वास्थ्य विभाग में भ्रष्टाचार का मामला उजागर

**मोहन बड़ोदिया, 11 जनवरी. सरकारी अस्पतालों की दशा सुधारने के लिए स्वास्थ्य विभाग को हर वर्ष लाखों रुपए की राशि मिलती है, लेकिन जमीनी हकीकत इससे अलग नजर आती है. यदि इन पैसों का शत-प्रतिशत सही उपयोग होता, तो सरकारी अस्पतालों की स्थिति कहीं बेहतर होती. इसी कड़ी में भ्रष्टाचार का एक गंभीर मामला सामने आया है.**

दुपाड़ा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में जन आरोग्य समिति अध्यक्ष के फर्जी हस्ताक्षर कर लाखों रुपए निकालने का आरोप लगा है. इस मामले की शिकायत जन आरोग्य समिति अध्यक्ष द्वारा जिले के वरिष्ठ अधिकारियों से की गई थी, जिस पर जांच कराई गई है. सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस शिकायत की जांच मोहन बड़ोदिया के ब्लॉक मेडिकल अधिकारी डॉ. राजेश रुहेला द्वारा की गई, जिसकी रिपोर्ट वरिष्ठ अधिकारियों को भेज दी गई है.

**जांच में क्या आया सामने**

सूत्रों के मुताबिक जांच में यह तथ्य सामने आया कि दुपाड़ा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के मेडिकल अधिकारी डॉ. ट्विन विश्वास द्वारा जन आरोग्य समिति अध्यक्ष महेश नागर के फर्जी हस्ताक्षर कर चेक जारी किए गए और उनके माध्यम से राशि की निकासी कर ली गई.

**इनका कहना है**

*दुपाड़ा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की शिकायत की जांच कर ली गई है. रिपोर्ट वरिष्ठ अधिकारियों को भेज दी गई है. आगे की कार्रवाई वहीं से की जाएगी.*

***- डॉ. राजेश रुहेला, बीएमओ, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मोहन बड़ोदिया***

### फरियादी ने की शिकायत...

शिकायतकर्ता महेश नागर ने बताया कि यह मामला वर्ष 2024 का है. बैठक में मरीजों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए थे. इसके बाद डॉ. विश्वास द्वारा चेकों पर उनके जाली हस्ताक्षर कर राशि निकाल ली गई. जब इस गड़बड़ी की जानकारी मिली, तो उन्होंने जिला अधिकारियों से शिकायत की.

## एक नजर में

### नारकोटिक्स के छापे में 10 करोड़ की 31 किलो एमडी ड्रग्स जब्त

# आगर जिले की तीर्थ नर्सरी की आड़ में चल रहा था ड्रग्स का कारोबार

**नलखेड़ा, 11 जनवरी. नशे के कारोबार ने जिस खतरनाक स्तर को छू लिया है, उसका खुलासा केंद्रीय नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की बड़ी कार्रवाई में हुआ. आमला क्षेत्र स्थित तीर्थ नर्सरी की आड़ में चल रही एमडी ड्रग्स की अवैध फैक्ट्री पर नारकोटिक्स ने दबिश देकर 10 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की करीब 31 किलो 250 ग्राम एमडी ड्रग्स जब्त की है. यह कार्रवाई जिले में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है.**

नारकोटिक्स उज्जैन क्षेत्र के अधीक्षक मुकेश खत्री एवं नीमच व जावरा प्रभारी वीएस कुमार ने बताया कि विभाग को मुखबीर से पुख्ता सूचना मिली थी कि आमला क्षेत्र में एमडी ड्रग्स की बड़ी खेप लेने कोई तस्कर पहुंचने वाला है. इसी आधार पर नारकोटिक्स की विशेष टीम ने तड़के से ही तीर्थ नर्सरी की चारों ओर से घेराबंदी कर दी. कई घंटों तक इंतजार के बावजूद जब कोई संदिग्ध मौके पर नहीं पहुंचा, तो टीम ने नर्सरी परिसर के भीतर छापा मारने की कार्रवाई की. छापे के दौरान जो सामने आया, उसने अधिकारियों को भी चौंका दिया. नर्सरी परिसर के भीतर एमडी ड्रग्स बनाने की पूरी गुप्त लेब संचालित हो रही थी. मौके से भारी मात्रा में तैयार एमडी ड्रग्स के साथ-साथ करीब 600 किलो खतरनाक केमिकल भी बरामद किए गए. जब्त रसायनों में एमडीसी, एमएमए, सोडियम कार्बोनेट, ट्रायथाइलामाइन, सोडियम एस सहित अन्य रसायन शामिल हैं, जिनका इस्तेमाल एमडी ड्रग्स निर्माण में किया जाता है.

**अवैध लेब को नष्ट कर दिया**

इसके अलावा ड्रग्स बनाने में प्रयुक्त मशीनें, उपकरण और अन्य तकनीकी सामग्री भी जब्त की गई है. नारकोटिक्स टीम ने मौके पर ही अवैध लेब को नष्ट कर दिया, ताकि भविष्य में यहां दोबारा ड्रग्स निर्माण न हो सके. अधिकारियों के अनुसार जब्त एमडी ड्रग्स की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 50 करोड़ रुपए से अधिक आंकी जा रही है.

### मामले में हो सकती हैं गिरफ्तारियां...

फिलहाल इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है, लेकिन नारकोटिक्स विभाग का कहना है कि जांच के दौरान कुछ संदिग्ध लोगों की संलिप्तता के अहम साक्ष्य मिले हैं . ड्रग्स के नेटवर्क, सप्लाय चैन और इसके पीछे सक्रिय माफिया की पहचान की जा रही है . अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि जल्द ही बड़ी गिरफ्तारियां हो सकती हैं .

### स्थानीय पुलिस को भनक तक नहीं लगी...

यह मामला इसलिए भी गंभीर है, क्योंकि जिले में इतने बड़े पैमाने पर ड्रग्स का कारोबार चल रहा था और स्थानीय पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगी . करोड़ों रुपए की ड्रग्स फैक्ट्री का नर्सरी की आड़ में संचालन होना, जिले की कानून व्यवस्था और निगरानी तंत्र पर बड़ा सवाल खड़ा करता है . जानकारों का मानना है कि आगर मालवा जिला अब धीरे-धीरे ड्रग्स तस्करी के नए हब के रूप में उभरता जा रहा है .

### डोंगरगांव मंडल में हुआ हिन्दू सम्मेलन का आयोजन

**सोयतकलां, 11 जनवरी.** डोंगरगांव मंडल में हिन्दू सम्मेलन सम्पन्न हुए, जिसमें 8 गांवों से लगभग 7000 समाज बंधु उपस्थित हुए. मंच पर अतिथि के रूप में रूपेश पाल, गोकुलप्रसाद व्यास, द्वारकीलाल पाटीदार, नंदकिशोर शर्मा, पूजा पाटीदार उपस्थित हुए. डोंगरगाव मंडल में मुख्यवक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह प्रान्त व्यवस्था प्रमुख रुपेश पाल ने संघ के 100 वर्षों के विकास क्रम पर प्रकाश डाला, जिसमें संघ स्थापना के समय देश की परिस्थितियों के बारे में बताया गया. संघ प्रतिबंधों के संघर्ष काल के बारे में भी बताया गया. समाज के विविध क्षेत्रों में हिन्दू जीवन मूल्यों पर आधारित रचना, जहां जहां आवश्यक लगी, उन्हें खड़ी किया. संस्कारों व शिक्षा के क्षेत्र में विद्या भारती, विद्यार्थियों के बीच एबीवीपी, भारतीय मजदूर संघ, विश्व हिन्दू परिषद, संस्कार भारती ऐसे कई क्षेत्रों में संघ ने कार्य प्रारम्भ किया. सम्मेलन में उपस्थित मातृशक्ति श्रीमती पूजा पाटीदार द्वारा समाज में पंच परिवर्तन के लिए आव्हान किया, जिसमे पर्यावरण, कुटुंब प्रबोधन, स्वदेशी, सामाजिक समरसता व नागरिक अनुशासन के बारे में विस्तार से बताया. संत गोकुल प्रसाद व्यास द्वारा हिन्दू संस्कृति की विशेषताओं के बारे में बताया गया.